

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): My State also has none.

An hon. Member: But the hon. Ministers themselves are there.

Shri Hathi: The present question relates to undesirable contactmen against whom we have to guard. Moreover, it is not as if the industries are not allowed to have any accredited representatives; they will be allowed to have them, but they will have to say that such and such a person will be their accredited representative so that we know that he is the proper person with whom our officers can deal, and if there is anything wrong we can catch hold of that particular person and not any and every person. That is the scope of the main question.

Shri Hem Barua: On a point of order. In replying to my question, the Minister has tried to describe some contactmen as undesirable. That means there are some contactmen who are desirable. He has categorised them into desirable and undesirable. In that context, would you please enlighten us as to what is the criterion of desirability?

Mr. Speaker: It is nowhere described in my rules.

Shri D. C. Sharma: Has it come to the notice of Government that some influential and wealthy firms instead of employing contactmen contact-women and call girls have started employing the so-called sadhus to help them in this kind of thing?

Shri Hathi: Sadhus are not there.

श्री सरजू पाण्डेय : मैं जानना चाहता हूँ कि प्रदेशों में भी क्या परमिट और लाइसेंस देने के लिए कोई संस्थान स्थापित किया जायेगा ।

अध्यक्ष महोदय : यह प्रदेस वाले करेंगे ।

श्री सरजू पाण्डेय : प्रदेश वाले कुछ नहीं करेंगे ।

Shri Daji: The reply states that one accredited representative would be allowed to each business house. Has

Government considered this aspect of the matter, namely that even this one accredited representative of a firm should not be a retired official or a near relative of any Minister because such a person can exert sufficient pressure to corrupt decisions?

Shri Hathi: While accrediting the representative, this matter also could be considered.

शेख अब्दुल्ला की सुरक्षा की व्यवस्था

+

* 775. { श्री हुकम खन्ड कछुवाय :
श्री बड़े :
श्री बृजराज सिंह :
श्री दासप्पा :
श्री प्रोफार लाल बेरवा :
श्री बागड़ी :
डा० लक्ष्मीमत्स्य सिधबी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शेख अब्दुल्ला ने सरकार से प्रार्थना की है कि सरकार द्वारा वहाँ पर तैनात किये गये मुरझा अधिकारी को उनके स्थान पर घोर अधिक न रखा जाये क्योंकि उसकी उपस्थिति के कारण उनके घोर उन से मिलने के लिये घाने वाले दंगकों के बीच बातचीत में बिघ्न पड़ता है ; और

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार का इस प्रार्थना को स्वीकार करने का इरादा है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हाथी) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

श्री हुकम खन्ड कछुवाय : मैं जानना चाहता हूँ कि शेख अब्दुल्ला को जेल में रखा गया है उस पर कितना खर्च किया जा रहा है और उस के परिवार पर कितना खर्च होता है ।

श्री हाथी : खर्च के घांके मेरे पास नहीं है, नाटिस देने पर खतला सकता हूँ ।

अध्यक्ष महोदय : प्राप ने तो मिक्सीगिटी आफिसर के बारे में पूछा था ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : उस के परिवार के लोग शेख अब्दुल्ला से मिल सकते हैं यह बात तो समझ में आती है लेकिन विदेशी पत्रकार भी जाकर उन से मिलते हैं । मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार ने इस बारे में क्या किया है ।

श्री हाथी : विदेशी पत्रकार या कोई भी आदमी बिना खंजूरी के उन से नहीं मिल सकता है ।

Shri Basappa: May I know whether any proper inquiry is being made regarding the antecedents of those people who want to interview him? If so, has any undesirable person sought interview with him?

Shri Hathi: Before the authorities give permission, they look into those things.

श्री झोंकार लाल बेरबा : मैं जानना चाहता हूँ कि जिस तरह से दूसरे राजनीतिक बन्दी रहते हैं क्या उसी तरह से शेख अब्दुल्ला को भी महल से हटा कर कहीं और रखने का विचार सरकार का है ।

Shri Hathi: He is detained in the manner in which he is at present detained.

श्री बागड़ी : क्या सरकार ने कोई इस बात का भी नतीजा निकाला है कि शेख अब्दुल्ला की गिरफ्तारी से रियासत की सलामती को फायदा पहुंचा है । अगर सरकार इस नतीजे पर पहुंची है तो क्या इस किस्म की कोई मजिद कार्रवाई करने का सरकार विचार कर रही है ।

Shri Hathi: Government detain a person when they find that his movement outside is not desirable. If they find that other persons also should be detained, they will do it.

श्री बागड़ी : मेरा सवाल यह था कि अब प्राप को काश्मीर का तर्जुवा हुमा है, वैसे तो प्राप लोगों को गिरफ्तार करते ही हैं, लेकिन काश्मीर के तर्जुवों को लेकर मैं प्राप से पूछना चाहता हूँ कि क्या शेख अब्दुल्ला की गिरफ्तारी से काश्मीर की सलामती को फायदा पहुंचा है क्योंकि शेख अब्दुल्ला को बहुत पहले गिरफ्तार किया गया था और प्रापति अब आई है । मेरा साफ सवाल था कि जो तर्जुवा प्राप को हुमा है उस के बारे में जवाब दिया जाये ।

अध्यक्ष महोदय : उन की गिरफ्तारी से कोई फायदा हुमा है या नहीं, यह तो प्रोपीनियन की बात हो जायेगी ।

Shri Hathi: It is a fact that so long he has been detained because it is necessary to detain him; otherwise, he would not have been detained.

Dr. L. M. Singhvi: Let him pass into oblivion without a supplementary.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैंने पूछा था कि जो विदेशी पत्रकार उन से मिले हैं वह कैसे मिले हैं ।

अध्यक्ष महोदय : उस का जवाब वह दे चुके हैं ।

Occupation of Indian Territory by East Pakistan Rifles

*776. **Shri C. K. Bhattacharyya:** Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the report that the East Pakistan Rifles with the help of regular troops have occupied the 'Kumar Khali Khal' in the Bashirhat subdivision, West Bengal, which is within the Indian territory; and

(b) if so, the steps taken to get the illegal occupation vacated?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.